

पार पुं. (तत्.) 1. झील, नदी, समुद्र आदि का वह दूसरा किनारा या सिरा जो वक्ता के पास वाले किनारे अथवा सिरे की विपरीत दिशा में और उस विस्तार के अंतिम सिरे पर पड़ता हो 2. किसी तल अथवा पृष्ठ से विपरीत दिशा का तल अथवा पृष्ठ 3. किसी काम या बात की सीमा, अंत 4. किसी वस्तु, काम या बात का अधिकतम परिमाण या समस्त विस्तार **मुहा.** पार उतर जाना- संकट से उबरना, संसार सागर से उबरना; पार उतारना- नदी आदि के दूसरे किनारे पर पहुँचाना, उद्धार करना; पार करना- चुरा लेना; पार पाना- विजय पाना, अंत पहुँचना; पार लगाना- काम समाप्त होना, सफल होना, मर जाना, मुक्त हो जाना, किनारे पर पहुँचना; (किसी का बेड़ा) पार लगाना- कष्ट से छुटकारा मिलना, काम समाप्त होना, मुक्ति पाना, गुजारा होना, निर्वाह होना; (किसी से बेड़ा) पार लगाना- किसी की सहायता से कार्य पूरा होना; पार लगाना- किसी का उद्धार करना, किसी को नदी के दूसरे किनारे पर पहुँचाना; पार बसाना- वश चलना; पार होना- नदी आदि के दूसरे किनारे पर पहुँचना, कार्य पूरा कर लेना **टि.** इस पार-इधर, इस किनारे पर, इस लोक में, इस संसार में; उस पार-उधर, उस किनारे पर, परलोक में 5. **वि.** (तद्.) पालक उदा. ग्वारन को पार है- (ठाकुर) 6. **पुं.** (तद्.) प्रहर।

पारई स्त्री. (तद्.) 1. मिट्टी का सकोरा 2. प्याली उदा. मनि भाजन, मधु पारई -तुलसी, दोहा. 35।

पारक वि. (तत्.) 1. पार करने अथवा पार लगाने वाला 2. उद्धार करने वाला, बचाने वाला 3. पालन करने वाला, पालक 4. प्रीति या प्रेम करने वाला, प्रेमी 5. पूर्ति करने वाला।

पार काम वि. (तत्.) जो पार उतरने या दूसरे किनारे पर जाने का इच्छुक हो।

पारकी वि. (तद्.) परकीया।

पारखी पुं. (देश.) वह व्यक्ति जिसमें किसी वस्तु की अच्छाई-बुराई, गुण-दोष आदि को जानने एवं

परखने की पूर्ण योग्यता हो **वि.** (देश.) परखने वाला, परखने की योग्यता रखने वाला।

पारग वि. (तत्.) 1. पार जाने वाला 2. जिसने किसी विद्या का पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर लिया हो, पारंगत 3. काम पूरा करने वाला।

पार-गत वि. (तत्.) 1. जो पार चला गया हो 2. जो किसी विषय का पूरा ज्ञान प्राप्त कर चुका हो, पारंगत 3. समर्थ।

पारगति स्त्री. (तत्.) किसी विषय में पारंगत होने के लिए किया जाने वाला अध्ययन।

पारगमन पुं. (तत्.) एक स्थान या स्थिति से दूसरे स्थान या स्थिति में जाने की क्रिया, भाव या स्थिति, स्थानांतरण।

पारगम्य वि. (तत्.) 1. जिसके पार जाया जा सके 2. जिसमें प्रवेश किया जा सके, प्रवेश्य 3. व्याप्य।

पारगामी वि. (तत्.) पार करने या जाने वाला।

पारचा पुं. (फा. पार्च:) 1. टुकड़ा, खंड, धज्जी 2. कपड़ा, वस्त्र 3. एक प्रकार का रेशमी वस्त्र 4. पहनावा, परिधान, पोशाक 5. कच्चे कुओं में दो खड़ी लकड़ियों के ऊपर रखी या लगी हुई वह बड़ी लकड़ी जिससे रस्सी कूँ में लटकाई जाती है।

पारज पुं. (तत्.) स्वर्ण, सोना।

पारजन्मिक वि. (तत्.) दूसरे जन्म से संबंध रखने वाला।

पारण पुं. (तत्.) 1. पार करने, पार होने या पार जाने की क्रिया या भाव 2. किसी को पार ले जाने की क्रिया या भाव 3. किसी व्रत-उपवास के बाद का पहला अन्न ग्रहण 4. तृप्त करने की क्रिया या भाव 5. किसी प्रस्तावित विधेयक के संबंध में उसे विचारपूर्वक निश्चित और स्वीकृत करने की क्रिया 6. परीक्षा या जाँच में पूरा उतरना, उत्तीर्ण होना 7. बंधन पार करके आगे बढ़ना 8. पूरा करने की क्रिया या भाव 9. बादल, मेघ।